No. of Printed pages : 6 00033 **BPY-001**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination, 2019

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART-I

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note : Answer **all five** questions.All questions carry **equal** marks. Answer to question No.**1** and **2** should be in about **400 words** each.

---

1. Make a detailed exposition of the Jaina epistenology. [20]

Or

Explain the structure of Rig Veda in detail. [20]

2. Highlight the central teachings of Mundaka Upanishad.[20]

Or

Examine the significance of the age of Mantras, Brahmanas and Aranyakas. [20]

3. Answer **any two** of the following in about **200 words** each :

(a) Give an account of the metaphysics of Jainism. [10]

(b) Discuss the philosophical significance of Prasna Upanishad. [10]

(c) Briefly explain carvaka epistemology. [10]

(d) Explain the doctrine of Dependent Origination in Buddhism. [10]

4. Answer **any four** of the following in about **150 words** each :

(a) What are the philosophical implications of Tatjalaniti as mentioned in the Chandogya Upanishad ? [5]

(b) Write a short note on the structure of Sama Veda. [5]

(c) Distinguish between Monotheism and Monism. [5]

(d) Give a brief account of the Vaibhasika and Sautrantika schools of Buddhism. [5]

(e) Briefly explain the Four Noble Truths of Buddhism. [5]

(f) Explain the characteristics of self in the Mandukya Upanishad. [5]

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100 words** each :

(a) Smriti [4]

(b) Jyautisha [4]

(c) Illuscon in the C̄aruaka view [4]

(d) Yoga C̄ara School of Buddhism [4]

(e) Jivan mukti

(f) Turiya

(g) Swapiti

(h) The five great vows or Mahavratas of Jainism [4]

----- x -----

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन-I

समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 100**

नोट : सभी **पाँच प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक** समान हैं। प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

1. जैन ज्ञानमीमांसा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिए। [20]

अथवा

ऋग्वेद की संरचना की विस्तार से व्याख्या कीजिए। [20]

2. मुण्डक उपनिषद् की केन्द्रीय शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। [20]

अथवा

मन्त्र, ब्राह्मण और आरण्यक काल के महत्व की परीक्षा कीजिए। [20]

3. किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200 शब्दों** में दीजिए :

(क) जैन दर्शन की तत्वमीमांसा का विवरण दीजिए। [10]

(ख) प्रश्न उपनिषद् के दार्शनिक महत्व पर चर्चा कीजिए। [10]

(ग) चार्वाक की ज्ञान मीमांसा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। [10]

(घ) बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। [10]

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150 शब्दों** में दीजिए :

(क) छान्दोग्य उपनिषद् में प्रस्तुत तत्जलानिति के दार्शनिक निहितार्थ क्या हैं ? [5]

(ख) सामवेद की संरचना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। [5]

(ग) ऐकेश्वरवाद और ऐकत्व (Monism) के मध्य अन्तर कीजिए। [5]

(घ) बौद्ध दर्शन के वैभाषिका और सौत्रान्तिक सम्प्रदायों का संक्षिप्त विवरण दीजिए। [5]

(च) बौद्ध दर्शन के चार आर्यसत्य की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। [5]

(छ) माण्डूक्य उपनिषद् में प्रस्तुत आत्मा के लक्षणों की व्याख्या कीजिए। [5]

5. किन्हीं **पाँच** में प्रत्येक पर लगभग **100 शब्दों** में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्मृति [4]

(ख) ज्योतिष [4]

(ग) चार्वाक के अनुसार माया [4]

(घ) बौद्ध दर्शन का योगाचार सम्प्रदाय [4]

(च) जीवन मुक्ति [4]

(छ) तूरीय [4]

(ज) स्वापित [4]

(झ) जैन दर्शन के पंच महाव्रत [4]

-----x-----